

केम्प कोर्ट: मालारोज़ दि. 8.5.17

आज पञ्चावली पेश हुई। बारी अदुवा बारी के बाद  
 आ.पत्र अन्तर्गत चारा 212 TRACT का इस आदेश का  
 पेश किया कि आराजी साविदर नं. 2283 रक्बा 6 बीघा  
 10 पित्ता जिसके हाल रसरा नम्बर 4203 रक्बा 07 एघर  
 4204 रक्बा 1-54 हेक्टेयर व 4207/4907 रक्बा 06 एघर  
 किता 03 रक्बा 1-67 हेक्टेयर वाले ग्राम मालारोज़ तहसील  
 मालारोज़ जिला त्रनवर में प्रार्थी के पिता जल्लू एवं  
 अग्रार्थी सं. 1 व 2 के पिता भी अली खां दोनों सगे भाई  
 थे। जिनको अपने पिता स्व. मानता के स्वर्गवास के  
 बाद विरासत में मिली थी तथा जमाबंदी सन्वत्  
 2038 से 2041 एवं सन्वत् 2047 से 2050 में  
 विवादित आराजी समसू कपुर पि. अली खां समभाग  
 ना.बा. सरपरस्त माता चन्दरी हिस्सा 1/2 व पित्तल  
 जल्लू पुत्र मामला हिस्सा 1/2 दर्ज रिकॉर्ड थी। इसके  
 बाद बन्दोबस्त सन्वत् 2051 में विवादित आराजी को  
 बन्दोबस्त कर्मचारियों ने अग्रार्थी सं. 1 व 2 के नाम  
 दर्ज कर दिया और पिता जल्लू पुत्र मामला का नाम  
 हटा दिया। प्रार्थी के पिता जल्लू का स्वर्गवास हो चुका है।  
 प्रार्थी अपने पिता का इकलौता पुत्र है। विवादित आराजी  
 का अभी तक बंटवारा नहीं हुआ है, मौके पर शामिल  
 रहकर काइत करते चले आ रहे हैं। अग्रार्थी नं. 1 व 2  
 की कब्जे कपत की खातेपरी की आराजी नहीं है।  
 अग्रार्थी नं. 1 व 2 के नाम का कसमजुन करवाकर उधे  
 स्थान 1/2 हिस्सा प्रार्थी व लखीबी अलिबादनी का नाम  
 दर्ज रिकॉर्ड करावे। तथा अग्रार्थी वगैरे को जरूर अल्पाई  
 निषेधाज्ञा से बाबंद किया जावे।

सहायक जज  
 बलदर

तारीख  
हुक्म

हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल जज

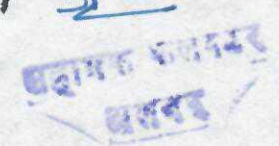
नम्बर व तारीख  
अहकाम जो इस  
हुक्म की तामील  
में जारी हुए

हुमने पञ्जावली का आधोपान अवलोकन किया एवं राजस्व रिकॉर्ड का अवलोकन किया सन्वत 2051 से पूर्व साविक ख.न. 2223 मि 6111 से हाल ख.न. 4203/006, 4204/9-24, 4206/4421/0-06 किया 3 कुल रक्बा 9.66 एकर बना। जिसमें समसू कपुर पि. अलीरवां स.भा. मेव साठरेडा नाकलिया सरपराली माना फन्दी खुद शातेदार एवं हु एवं हाल जमाकडी सन्वत 2070 मे समसू कपुर पि. अलीरवां स.भा. मेव सा. रवारेडा शातेदार राहिन 31357 मासाजिग हु.वि.व. शातेदार एवं हु

उपरोक्त सप्रस्त विवेचन से अवालत इस नतीजे पर पहुँची है कि वादी द्वारा उल्लूत रिकॉर्ड से यह स्पष्ट नहीं होता है कि इनके पिता का नाम पूर्व में दर्ज था, पुदाना कबजा होने का भी कोई सबूत पेश नहीं किया अहाँ यह भी उल्लेख करना हम उचित समझ सकते हैं कि हम धारा 212 R.J.C.A का निर्णय कर रहे हैं। 3

अतः आधी का आधी पड वावत आधी निषेधाता हाल ख.न. 2223 मि. रक्बा 6111 हाल ख.न. 4203/006 4204/9-24, 4206/4421/0-06 किया 3 कुल रक्बा 9.66 एकर वाले शास्र मातारेडा नर मासाजिग को ना फैसला दाना रवारिज किया जाता है पञ्जावली मिन्वि गुजार होकर वाद प्रति बूल वाद के साथ सलान हा

  
सेवानिवृत्त तहसीलदार  
बैंच सदस्य  
राजस्व लोक अदालत



  
एडवोकेट  
बैंच सदस्य  
राजस्व लोक अदालत